

༄༅། བོད་ཀྱི་ནང་བསྟན་དཔེ་ཚལ་སྟེ་གནས།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W1KG12780	ImageGroup:	I1KG12846
LCCN:	82904166	ISBN:	n/a

Title:	རྣམ་ཐོས་སྤྲུལ་གྱི་མཆོད་སྤྲིན་འདོད་དགའི་ཆར་འབེབས། rnam thos sras kyi mchod sprin 'dod dgu'i char 'bebs/
Author:	དཀར་བརྒྱུད་འཕྲིན་ལས་ཤིང་རྟེ dkar brgyud 'phrin las shing rta
Descriptor:	reproduced from a rare manuscript found at rgod-tshan hermitage in ladakh
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	darjeeling, w.b.
Publisher:	kargyud sunggrab nyamso khang
Date:	1982
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 150 West 17th St, New York City, NY 10011, US. Comments: 9/2012



RNAM THOS SRAS KYI MCHOD SPRIN 'DOD DGU'I CHAR 'BEBS

A ritual for the pūjā of Vaiśrāvaṇa according to the 'Brug-pa Dkar-brgyud pa

by

the Seventh Rgyal- dbaṅ 'Brug-chen Dkar-brgyud-'phrin-las-śin rta

Reproduced from a rare manuscript found at Rgod-tshaṅ Hermtage in Ladakh

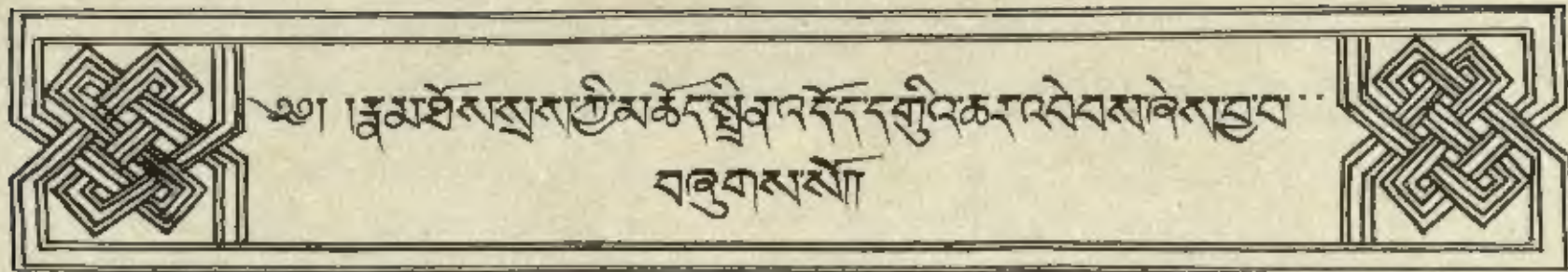
**Published by the Kargyud Suograb Nyamso Khang, Forest View Villa,
West Point, Darjeeling (W. B.)**

and

Printed at Jayyed Press, Ballimaran, Delhi-6

April 1982

Price : Rs. 60/-



ཨ་མ་ཤེས་པ་ལྟེ་མཆོད་སྤྱོད་འདོད་དུ་འཆར་འཕེབས་ལེས་བྱ་བ་
 བཞུགས་སོ།

ཀུན་

ཀུན་

ཀུན་

ཨོཾ འཕེམ་ཕུན་འདས་ཕུན་
འཕེམ་ཕུན་འདས་ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་
ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་
ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་



ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་
ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་
ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་
ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་ཕུན་

6

卷之四

[illegible]

7

[illegible]

ཐུགས་སྒྲུབ་པ་

ཐང་འབྲུག་ལོ་སྐུ་མཆོ་ས་ག་བྱང་མས་འདི་སྐད་ཅེས་ཀྱི་ བོད་ མཐུན་དང་ཨ་ཀ་ར་འག་པེ་འི་སྒྲེ་སྒྲེ་ ། ལྷུང་གསལ་ལ་ཀྱུན་དང་སྐུ་ལ་ཁྱེ་སྒྲིང་པེ་འི་
 རྒྱ་བཤེད་འབྲུག་ལྷུང་སྐུ་ལ་པེ་འི་ལ་སྐུ་དང་ ། འི་འཆོ་ལ་སྐུ་ལ་དུ་ལ་ག་ཤིས་རྒྱ་སྐུ་འི་གསལ་ ། འདྲིང་འདྲིང་འི་ལ་སྐུ་གསལ་
 བཞེ་ལ་འདྲིང་པེ་ ། རྒྱ་ལ་མཆོ་ལ་སྐུ་ལ་སྐུ་ལ་དུ་ལ་པེ་འི་ལ་སྐུ་ལ་འཕུང་དང་ ། ལྷུང་ལ་འདྲིང་ལ་སྐུ་ལ་འཕུང་པེ་འི་ལ་སྐུ་
 རྒྱ་ལ་པེ་འི་ལ་སྐུ་ལ་འཕུང་པེ་ ། འབྲུག་ལ་པེ་འི་ལ་སྐུ་ལ་འཕུང་པེ་ ། འདྲིང་ལ་སྐུ་ལ་འཕུང་པེ་ ། འདྲིང་ལ་སྐུ་ལ་འཕུང་པེ་ །
 ལྷུང་ལ་སྐུ་ལ་འཕུང་པེ་ ། འདྲིང་ལ་སྐུ་ལ་འཕུང་པེ་ ། འདྲིང་ལ་སྐུ་ལ་འཕུང་པེ་ ། འདྲིང་ལ་སྐུ་ལ་འཕུང་པེ་ ། འདྲིང་ལ་སྐུ་ལ་འཕུང་པེ་ །
 ལྷུང་ལ་སྐུ་ལ་འཕུང་པེ་ ། འདྲིང་ལ་སྐུ་ལ་འཕུང་པེ་ ། འདྲིང་ལ་སྐུ་ལ་འཕུང་པེ་ ། འདྲིང་ལ་སྐུ་ལ་འཕུང་པེ་ ། འདྲིང་ལ་སྐུ་ལ་འཕུང་པེ་ །

[illegible]

དབང་ཆེན་པ་ འབད་བའི་དཔལ་འབྱེད་འཕགས་པ་ཕམ་མཁའ་ཁོང་མཛོད་ཀྱི་འཕགས་པ་
 བསྟོན་དོ། འདི་བྱིན་མཁའ་ཕམ་ཕྱེད་གསུམ་གྱི་སྐུ་ རྟོན་ཆེན་པོ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་འདྲིམ་པ་ཁོང་། འཕགས་
 ཕམ་པ་སྐུ་ཕམ་པ་ཕྱེད་མཛོད་པོ་ ཕམ་པ་སྐུ་ཕམ་པ་ཕྱེད་པ་ཕྱེད་དོ། འཕགས་པ་སྐུ་ཕམ་པ་ཕྱེད་
 ཕམ་པ་སྐུ་ཕམ་པ་ཕྱེད་པོ་ འབྱེད་བའི་ཕྱེད་པ་ཕམ་པ་སྐུ་ཕམ་པ་ཕྱེད་པོ་ ཕྱེད་པ་སྐུ་ཕམ་པ་ཕྱེད་པོ་
 འདྲིམ་པ་ ཕྱེད་པ་ཕྱེད་པ་ཕྱེད་པོ་ ཕྱེད་པ་ཕྱེད་པ་ཕྱེད་པོ་ ཕྱེད་པ་ཕྱེད་པ་ཕྱེད་པོ་ ཕྱེད་པ་ཕྱེད་པ་ཕྱེད་པོ་
 དཔལ་འབྱེད་པ་ཕྱེད་པ་ཕྱེད་པོ་ ཕྱེད་པ་ཕྱེད་པ་ཕྱེད་པོ་ ཕྱེད་པ་ཕྱེད་པ་ཕྱེད་པོ་ ཕྱེད་པ་ཕྱེད་པ་ཕྱེད་པོ་

འབའ་མཁའ་ལྷ་མོ་འབའ་མཁའ་ལྷ་མོ་

འཕེལ་མཁའ་ལྷ་མོ་འབའ་མཁའ་ལྷ་མོ་

མཁའ་ལྷ་མོ་འཕེལ་མཁའ་ལྷ་མོ་འབའ་མཁའ་ལྷ་མོ་

འཕེལ་མཁའ་ལྷ་མོ་འབའ་མཁའ་ལྷ་མོ་འཕེལ་མཁའ་ལྷ་མོ་འབའ་མཁའ་ལྷ་མོ་

མཁའ་ལྷ་མོ་

॥

॥

མཁའ་ལྷ་མོ་འཕེལ་མཁའ་ལྷ་མོ་འབའ་མཁའ་ལྷ་མོ་འཕེལ་མཁའ་ལྷ་མོ་འབའ་མཁའ་ལྷ་མོ་

འཕེལ་མཁའ་ལྷ་མོ་འབའ་མཁའ་ལྷ་མོ་འཕེལ་མཁའ་ལྷ་མོ་འབའ་མཁའ་ལྷ་མོ་

འཕེལ་མཁའ་ལྷ་མོ་འབའ་མཁའ་ལྷ་མོ་འཕེལ་མཁའ་ལྷ་མོ་འབའ་མཁའ་ལྷ་མོ་

॥

॥

[illegible]

ཨོཾ
པཌིཌཱུཾ
པཌིཌཱུཾ
པཌིཌཱུཾ

ཨོཾ ཨོཾ་ཨོཾ་ ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་
ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་
ཨོཾ་ ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་
ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་



གསལ་བཤད་གཤམ་ཤམ་ཤམ་ ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་
ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་
ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་
ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་ཨོཾ་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ ॥ इदं सर्वं हि ज्ञात्वा तदा शान्तिं प्राप्नुयान् ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ अहंशः पाण्डवो जयते पाण्डवः ॥ तस्मात्सर्वदुःखहर्त्रेण
 भवतु मे मया धर्मः ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

བཅས་ལྟུང་པ་རྒྱས་པ་འདི་དཔེ་ལྟ་ མཁའ་ལོ་སྐུ་པ་ལོ་དབང་ཐུང་དང་ མཁའ་གསལ་གསལ་བའི་དཔེ་མེད་སྟེ་ འཕྱུར་མེད་
 ཚེ་དང་མཁའ་གསལ་སྟེ་ བཅས་པ་རྒྱས་པ་འདི་དཔེ་ལྟ་ བྱེད་གསལ་ལ་སྐུ་པ་ལོ་དབང་ཐུང་དང་ འདི་མཚོ་ལྟ་སྟེ་
 ཚེ་གསལ་སྟེ་ བྱེད་ཐུང་དུང་སྐུ་པ་ལོ་དབང་ཐུང་ བྱེད་ཐུང་གསལ་མཚོ་ལྟ་ འདི་གཞི་ལྟ་སྟེ་ ཚེ་དང་དབང་ཐུང་ཐུང་ལྟ་ཚེ་ལྟ་
 ཚེ་དབང་ལྟ་སྟེ་ བྱེད་ཐུང་དུང་སྐུ་པ་ལོ་དབང་ཐུང་ བྱེད་ཐུང་གསལ་མཚོ་ལྟ་ འདི་གཞི་ལྟ་སྟེ་ ཚེ་དང་དབང་ཐུང་ཐུང་ལྟ་
 བྱེད་ཐུང་དུང་སྐུ་པ་ལོ་དབང་ཐུང་ བྱེད་ཐུང་གསལ་མཚོ་ལྟ་ འདི་གཞི་ལྟ་སྟེ་ ཚེ་དང་དབང་ཐུང་ཐུང་ལྟ་
 བྱེད་ཐུང་དུང་སྐུ་པ་ལོ་དབང་ཐུང་ བྱེད་ཐུང་གསལ་མཚོ་ལྟ་ འདི་གཞི་ལྟ་སྟེ་ ཚེ་དང་དབང་ཐུང་ཐུང་ལྟ་
 བྱེད་ཐུང་དུང་སྐུ་པ་ལོ་དབང་ཐུང་ བྱེད་ཐུང་གསལ་མཚོ་ལྟ་ འདི་གཞི་ལྟ་སྟེ་ ཚེ་དང་དབང་ཐུང་ཐུང་ལྟ་
 བྱེད་ཐུང་དུང་སྐུ་པ་ལོ་དབང་ཐུང་ བྱེད་ཐུང་གསལ་མཚོ་ལྟ་ འདི་གཞི་ལྟ་སྟེ་ ཚེ་དང་དབང་ཐུང་ཐུང་ལྟ་

७७। दधलवृत्तयदमा ससुदमीयैरद्विवादेववसा। अर्धेयसुसुदुधयैवकेववदुवा। कुपयवलेव
 दवदस्यैवावविरेरको। मीददमीयैवकेववसा। दधलवृत्तयदमा ससुदमीयैवकेववदुवा। कुपयवलेव
 दद्वेद्वेवविरेदधल। दधलवृत्तयदमा ससुदमीयैवकेववदुवा। कुपयवलेव
 सैवसा। अर्धेयसुसुदुधयैवकेववसा। दधलवृत्तयदमा ससुदमीयैवकेववदुवा। कुपयवलेव
 केवसा। अर्धेयसुसुदुधयैवकेववसा। दधलवृत्तयदमा ससुदमीयैवकेववदुवा। कुपयवलेव
 दद। अर्धेयसुसुदुधयैवकेववसा। दधलवृत्तयदमा ससुदमीयैवकेववदुवा। कुपयवलेव

[illegible]

[illegible]

མཆོད་པ་སྟོན་པ་སྐད་པའི་འཕྲིན་ལ་སྐུ་སྐད་པའི་རིམ་པ་ལ་བརྟེན་པ་རྒྱུ་ཞིང་།

དེས་ན་འདྲོད་པའི་དོན་མཐུན་དཀ་ཡིད་པའི་ཐོབ་དུ་འགྲུབ་པར་འགྱུར་རྒྱུ་

རྩལ་བྱ་དང་བསྟན་པ་འདྲིན་པ་སྐད་སྟོན་པ་སྐུ་སྐད་པའི་དོན་པའི་འཕྲིན་ལ་

སྟོན་པ་སྐུ་སྐད་པའི་དོན་པའི་འཕྲིན་ལ་སྐུ་སྐད་པའི་དོན་པའི་འཕྲིན་ལ་

དང་དང་པོ་སྐུ་སྐད་པའི་དོན་པའི་འཕྲིན་ལ་

འཕྲིན་ལ་སྐུ་སྐད་པའི་དོན་པའི་འཕྲིན་ལ་

འཕྲིན་ལ་སྐུ་སྐད་པའི་དོན་པའི་འཕྲིན་ལ་

མཆོད་པ་

འཕྲིན་ལ་སྐུ་སྐད་པའི་དོན་པའི་འཕྲིན་ལ་

འཕྲིན་ལ་སྐུ་སྐད་པའི་དོན་པའི་འཕྲིན་ལ་

ཡང་། འཕྲིན་ལ་སྐུ་སྐད་པའི་དོན་པའི་འཕྲིན་ལ་

འཕྲིན་ལ་སྐུ་སྐད་པའི་དོན་པའི་འཕྲིན་ལ་

འཕྲིན་ལ་སྐུ་སྐད་པའི་དོན་པའི་འཕྲིན་ལ་

འཕྲིན་ལ་སྐུ་སྐད་པའི་དོན་པའི་འཕྲིན་ལ་

འཕྲིན་ལ་སྐུ་སྐད་པའི་དོན་པའི་འཕྲིན་ལ་

[illegible]

རྩུལ་༥ རེ་མཁེས་ཀྱི་མཆོག་ཉིད་དུ་དག་གྱུར་ཏེ། ཆོས་རྒྱལ་མཁའ་ཡོད་སྐུ་ལྷོ་བུ་པ་ཡིས། བརྒྱ་མཁེས་དེས་ཀྱང་ཆོས་ཀྱི་
 དབང་ཕྱོགས་ཤིག་ ལྷོ་བུ་ཡང་དག་པ་དམ་སའི་ལྷ་མོ་བརྟམ་མཁའ་ལཱི་གི་མཁའ་༥ ལྷོ་བུ་མཁའ་ཕོ་དབང་གི་དབང་ཞིབ་ཏེ། ཆོས་
 རྒྱལ་མཁའ་ལྷ་སྐུ་དབང་དུ་བརྟམ་སྐུ་ལྷ་སྐུ་ ཆོས་ཀྱི་ཀྱི་ལྷ་སྐུ་དབང་དུ་བརྟམ་གྱུར་པ་འོ། བརྒྱ་མཁེས་དེས་ཀྱང་ཕྱེད་སྐུ་དབང་
 ཀྱུར་ཅིག་ ལྷོ་བུ་ཡང་དག་པ་དམ་གསལ་དབང་དབང་པོ་ལྷ་གཞན་རྗེ་རྩེ་ལྷ་སྐུ་ཀུན་ལྷ་སྐུ་བརྟམ་མཁའ་༥ ལྷ་སྐུ་ཀུན་རྗེ་རྩེ་
 རྩེ་གསལ་ཐམས་ཅད་དུ། བཞག་གསལ་རྒྱལ་མཁའ་ལྷ་སྐུ་ལྷོ་མཁའ་པ་ཕྱེད་པ་ཡི། ལྷ་སྐུ་ལྷོ་བུ་ཕོ་བརྟམ་ལྷ་སྐུ་མཆོག་གསལ་
 གྱུར་པ་འོ། བརྒྱ་མཁེས་དེས་ཀྱང་བཞག་གསལ་རྒྱལ་མཁའ་ཞི་གྱུར་ཅིག་ འཇམ་ལོ་ལོ་གྱུ་དེ་ལྷ་རྩེ་རྒྱལ་མཁའ་ལྷ་སྐུ་ཕོ་བརྟམ་གསལ་གཅི་ཕོ་རི་མཁའ་དུ་

७७१
 ॥ अथ श्रीविष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ १ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ २ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ३ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ४ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ५ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ६ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ७ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ८ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ९ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ १० ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ལྷུ་པ་པོ། །མཁའ་མཁའ་མཁའ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་ཡི་དཔེ་དཔེ་པོ། །རྩམ་ཆེན་པོ་ལྷུ་ལྷུ་ འགྲོ་དང་ལྷུ་ལྷུ་དང་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་
 མཁའ་མཁའ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་
 ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་
 ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་ལྷུ་ལྷུ་པ་པོ་

ॐ । कं स सुंदरी कृपया दो कं व दो कं मा प्रेसा सुखा । व सुव को द प ल क व को । ल स सुंद मा द द मा र
 उवा । सु के व के का स प्री व द वा दो । वे र व द वा द मा सु या । सु द दो व ह व द वा व क द । सु व स क व स का ति स । सु द
 वा व स व सु द वा । पु ल र व र सु द व ल व क । वा वे द सु व प्री व रि के का स र व र द द वा उ स प प्रे द क मा स ल क द
 सु व प्री वा र मा मा सु व ह स क क व दो र द र व ल य । व सु दो मा सु व र । के मा वि द द सु स द र व वि स ल व द वा
 उ वा द दो व सु व यो व मा के द र व द स र व र द द वा उ स प क मा स ल के द द व स द व मा स द प ल द द र सु र वा । व द
 सु द सु व वा र क द र सु द प्री मा र र श द वा द द र यो ल वि द क स व स व सु व ल प्री व द द । र सु र यो द स ल व व द सु व

1911

